प्रारंभिक (भरतनाट्यम्)

समय - ६ मास (३० से ४० घंटे का प्रशिक्षण) परीक्षा समय १० - मिनिट

कुल अंक -५० क्रियात्मक - ४० अंक , शास्त्र - १० अंक

==========

क्रियात्मक - ४० अंक

क्रियात्मक

१. तत्ताडव् - (८ आडव)	}	सभी आडव
२. नट्टाडव - (९ आडव)	}	विलंबित एवं मद्यलय
३. तैया तैयी	}	तैयार करेंगे
४. ता तै तै तत्	}	
५. तत् तै ताम् दीत तै ताम्	}	

अभिनय दर्पण :

१. शिरोभेद (मस्तक की हलन - चलन)
२. असंयुक्त हस्त मुद्रा (एक हाथ की मुद्रा)
   उपरोक्त दोनों के अर्थ और विस्तृत जानकारी

शास्त्र :

१, नमस्कार – अर्थ
२.सौष्ठवांग - अर्थ
३.भरतनाट्यम के प्रख्यात पू. गुरुवर के नाम
४.प्रचलित शास्त्रीय नृत्य के नाम

Created by Universal Document Converter

परिचय (भरतनाट्यम्)

समय- : १ साल - ६० से ७० घंटेका प्रशिक्षण - परीक्षा समय १५ मिनिट

कुल अंक - 100, क्रियात्मक - 80 - अंक , मौखिक शास्त्र - २० अंक

==

क्रियात्मक :

आडवु :

१. तत् तै ताहा (कुल - ५)
२. गीन्नातोम् (कुल - ५)
३. धरीकीटतोम् (कुल - ५)
४. तै हत तै ही (कुदीत मेट्ट आडवु) (कुल - ५)
५. तै तै ध त्ता (सरीकल आडवु)
६. मंडी आडवु
७. तट्टमीट - आडवु (जाति अनुसार किये जाने वाले आडवु)
८. कर्तरी आडवु
९. मेयी आडवु (तीन लय में किये जानेवाले आडवु)
१०. तै तै ताम्
११. धीतै न ध ता तै - (उत्पलवन)
१२. तैतै तैतै तैतै दीदीतै
१३. नडै आडवु (चारी - जाति अनुसार)

उपरोक्त सभी आडवु विलंबीत, मध्य और ध्रुत तीनो लय में करने की क्षमता हांसल करे |

अभिनय दर्पण :

१. संयुक्त हस्त मुद्रा (दो हाथ की मुद्रा) } अर्थ
२. दष्टी भेद (नयनों के हलन - चलन) } केस
३. ग्रीवा भेद (गरदन की हलन - चलन) } साथ

शास्त्र :

१. पांच अंगुलियोंलिकी पहचान और नाम
२. लय - काल की माहिती
३. नृत - नृत्य - नाट्य की उदाहरण के साथ व्याख्या
४. पांच जाति , सात ताल की माहिती मात्रा और निशानी के साथ

सूचना : पिछले साल के अभ्यासक्रम में से भी प्रश्न पूछ सकते है |

Created by Universal Document Converter

प्रवेश (भरतनाट्यम)

समय १ साल - ८० से ९० घंटेका प्रशिक्षण परीक्षा समय २० मिनिट .
कुल अंक २०० - क्रियात्मक - १५० अंक - मौखिक शास्त्र - ५० अंक

==========

क्रियात्म - 150 अंक

क्रियात्मक :

१.अलारीपु नृत्य	}	राग और ताल की माहिती के साथ
२. जतीस्वरम् नृत्य	}	राग और ताल की माहिती के साथ

अभिनय दर्पण :

हस्त विनियोग :
पताक से शुकतुण्ड तक हस्त विनियोग अर्थ के साथ

शास्त्र :

१ व्याख्या -
आडवु , तिहाई , कोरवै , तिरमाणम् , जाति और शोलक६

1. यहाँ बताई गई कृतियों की व्याख्या दीजिए और उनके बीच की साम्यता और भेद बताएं | शास्त्रीय नृत्य
२ लोक नृत्य

२ कर्णाटक संगीत पध्धति के सात ताल और पांच जाति में निशानी
के साथ तालो की गिनती|

सूचना : पिछले साल के अभ्यासक्रम में से भी प्रश्न पूछ सकते है |

Created by Universal Document Converter

संगीत - मध्यमा (चौथा वर्ष) (भरतनाट्यम्)

कुल गुण - ३०० . क्रियात्मक -२०० गुण. लिखित 70 - गुण .

नियत कार्य - ३० गुण समय- : 1 साल (८० से १०० घंटे का प्रशिक्षण)

लेखित परीक्षा समय - २.०० घंटे मौखिक परीक्षा समय - २० मिनिट

==========

<u>क्रियात्मक</u>– २०० - गुण

क्रियात्मक :

१. शब्दम् } राग - ताल और
२. किर्तनम् } अर्थसभर

अभिनय दर्पण :

मुष्ठी से सिंहमुख हस्त विनियोग तक सभी की अर्थपूर्ण जानकारी |

शास्त्र :

१. मार्गम् की व्याख्या और उसमे आने वाली तमाम कृतिओ की विस्तृत जानकारी आवश्यक है |
२. भरतनाट्यम् नृत्य की उत्पत्ति , इतिहास , टेकनीक , संगीत एवं वेशभुषा की विस्तृत जानकारी |
३. भरतनाट्यम् नृत्य के प्रसिध्ध कलाकारों - स्व. श्री बाला सरस्वती और रुकमणीदेवी अरूनडेल का परिचय एवं जीवन-चरित्र और प्रदान |
४. अभिनय के विभिन्न प्रकार की विस्तृत जानकारी |
५. भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान
६. नाट्य शास्त्र के अनुसार भारतीय नृत्य का उद्भव |

सूचना : पिछले साल के अभ्यासक्रम में से भी प्रश्न पूछा जा सकता है |

नियत कार्य – (Assignment). ३० गुण

1. कला जगत में गुरु का महत्त्व बताएं |
2. भरतनाट्यम् नृत्य के बारे में विस्तृत वर्णन करें |
3. नाट्यशास्त्र के आधार से अभिनय का महत्व और उनके प्रकार बताएं |
4. भरतनाट्यम नृत्य में मार्गम् का उपयोग और उसमे आने वाली कृतियों के बारे में बताएं |

Created by Universal Document Converter

5. भरतनाट्यम् नृत्य में कर्णाटक संगीत का महत्व, जाति और ताल मात्राओ के साथ विस्तृत वर्णन करें, और अंग चापु के बारे में बताएं |
6. शास्त्रीय नृत्य और लोकनृत्य के बारे में विस्तृत वर्णन उदाहरण के साथ लिखें |
7. आपके अलारीपु की व्याख्या, राग - ताल के साथ लिपिबध्ध कीजिए |आपके जतिश्वरम् का तिरमाणम और दो कोरवै लिपिबध्ध कीजिए |

नोंध :

ऊपर दिए गए विषयों में से किन्ही तीन विषयों पर गुरु के द्वारा शिष्यों को पेपर लिखने दिए जायेंगे और गुरूजी को उसे जाँच कर के ग्रेड देना है | वो जाँच किये हुए नियत कार्य क्रियात्मक परीक्षा लेने जो परीक्षक आये उसे देने होंगे |

परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे . क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक नियत कार्य के अंक तय करेंगे.

ए ग्रेड २५ से ३० अंक : बी ग्रेड २० से २४ अंक : सी ग्रेड १५ से १९ अंक

Created by Universal Document Converter

संगीत विनीत - मध्यमा पूर्ण (पांचवां वर्ष) (भरतनाट्यम्)

कुल गुण -४०० क्रियात्मक - ३०० गुण. लेखित - ७० गुण.

नियत कार्य (ASSIGNMENTA Assignment) ३० - गुण .

समय - १ साल - (१०० से १२० घंटेका प्रशिक्षण)

लेखित परीक्षा समय २.०० घंटे. क्रियात्मक परीक्षा समय २० मिनिट.

==========

क्रियात्मक :

१. तिल्लाना (साहित्य के अर्थ के साथ)
२. पदम् (किसी भी एक भारतीय भाषा में राग - ताल के भावार्थ के साथ)
३. श्लोकम्

अभिनय दर्पण :

कांगुलो हस्त से - त्रिशुल हस्त तक सभी हस्त विनियोग अर्थसभर |

शास्त्र :

१. नटुअंगम् और नटुवनार की व्याख्या |
२. मणीपुरी , कथ्थक , कथकली नृत्य की उत्पत्ति , इतिहास , टेकनीक , संगीत , वेशभूषा की विस्तृत जानकारी |
३. नाट्यशास्त्र एवं अभिनय दर्पण की संपूर्ण जानकारी |
४. लास्य और तांडव नृत्य की व्याख्या तथा आनंदतांडव और उर्ध्व - तांडव की कथा की जानकारी |
५. तिल्लाना नृत्य की विस्तृत माहिती एवं उसके विभागों की जानकारी |
६. प्रारंभिक से विनित तक की सभी हस्त - मुद्राओं एवं विनियोग उनके अर्थ के साथ |

सूचना :- पिछले साल के अभ्यासक्रम में से भी प्रश्न पूछ सकते है |

नियत कार्य – (Assignment). ३० गुण

1. नाट्यशास्त्र पर आधारित शास्त्रीय नृत्य की उत्पत्ति बताएं |
2. तांडव के प्रकार , मौजूद तांडव के बारे में बताएं और लास्य और तांडव के बारे में बताए | तांडव की कहानी भी बताएं |
3. भरतनाट्यम् नृत्य के प्रसिध्ध गुरु कलाकार के बारे में विस्तृत वर्णन करके किसी एक गुरु का जीवन वृतांत लिखें |

Created by Universal Document Converter

4. शास्त्रीय नृत्यों में भरतनाट्यम् नृत्य के आलावा और किसी नृत्य के बारे में विस्तृत वर्णन कीजिए |
5. आपके सीखे हुए लिक्काना और पदम् के बारे मे बता ए और तिल्लाना के कोरवै लिपिबध्ध कीजिए |
6. नटुआंगम् नटुवनर के बारे में विस्तृत वर्णन कीजिए और प्रसिध्ध नटुवनार के बारे में बताए |
7. आप जो नृत्य शैली सीखे रहे हैं उसके बारे में विस्तृत वर्णन करें और उसे क्यों पसंद करते हैं वह विस्तृत रूप में बताएं |

नोंध :

ऊपर दिए गए विषयों में से किन्ही तीन विषयों पर गुरु के द्वारा शिष्यों को पेपर लिखने दिए जायेंगे और गुरूजी को उसे जाँच कर के ग्रेड देना है | वो जाँच किये हुए नियत कार्य क्रियात्मक परीक्षा लेने जो परीक्षक आये उसे देने होंगे |

परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे .
क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक
नियत कार्य के अंक तय करेंगे.

ए ग्रेड २५ से ३० अंक : बी ग्रेड २० से २४ अंक : सी ग्रेड १५ से १९ अंक

Created by Universal Document Converter

संगीत उप विशारद (छठ्ठा वर्ष) (भरतनाट्यम्)

कुल गुण - ४०० . क्रियात्मक - ३०० गुण . लेखित शास्त्र -७० गुण .

नियत कार्य (Assignment) ३० गुण .

समय १ साल १०० से १२० घंटेका प्रशिक्षण

लिखित परीक्षा समय - २ घंटे, क्रियात्मक परीक्षा समय - ४० मिनिट

==

क्रियात्मक

वर्णम् - चिट्टा स्वरम् तक की राग - ताल की माहिती अर्थसभर |

अभिनय दर्पण :

संयुक्त हस्त विनियोग अर्थसभर |

शास्त्र :

१. वर्णम् का भावार्थ और उनके विभाग |
२. मोहिनीअट्टम , कुरवंजी , कुचीपुड़ी , ओडिसी और छाउ नृत्य की विस्तृत जानकारी |
३. नवरस की पर्याप्त समझ और विस्तृत जानकारी |
४. किसी एक अर्वाचीन नृत्य संस्था के बारे में लिखे |
५. किसी दो प्राचीन और दो अर्वाचीन नृत्य की किताबों के बारे में विशेष जानकारी |
६. उत्तरभारत के सभी राज्यों के दो - दो लोकनृत्य की विशेष जानकारी |
७. प्रारंभिक से उपविशारद तक की सभी मुद्राएं और हस्त विनियोग अर्थसभर |
८. अलारीपु - जतिस्वरम् तथा वर्णम् के तिरमाणम् - लिपिबध्ध करने की क्षमता |

सूचना :- पिछले साल के अभ्यासक्रम में से भी प्रश्न पूछ सकते है |

नियत कार्य – (Assignment). ३० गुण

1. नृत्य में रस का महत्व और उन सब रसों का भाव ,विभाव , अनुभाव के विस्तृत विवरण कीजिए |
2. आपके सीखे हुए अलारीपु का अर्थ बताएं और उसे लिपिबध्ध कीजिए |
3. आपके सीखे हुए जतिश्वरम के बारे मे बताए एवं तिरमाणम और कोई दो कोरवै लिपिबध्ध कीजिए |
4. आपके सीखे हुए वर्णम् का अर्थ और उनके विभिन्न भाग दर्शाए | त्रिकाल तिरमाणम् को लिपिबध्ध कीजिए .

Created by Universal Document Converter

5. उत्तरभारतीय लोकनृत्य के बारे मे विस्तृत वर्णन कीजिए |
6. नर्तन ,नृत्य आप सीख रहे है उसके बारे में आप अपना मंतव्य बताएं | नृत्य का सामान्य जनजीवन पर उसका प्रभुत्व दर्शाएं |
7. आपके सीखे हुए शब्दम् की व्याख्या करें और उसके बंदज्ञण बता कर विस्तृत वर्णन कीजिए |

नोंध :

ऊपर दिए गए विषयों में से किन्ही तीन विषयों पर गुरु के द्वारा शिष्यों को पेपर लिखने दिए जायेंगे और गुरूजी को उसे जाँच कर के ग्रेड देना है | वो जाँच किये हुए नियत कार्य क्रियात्मक परीक्षा लेने जो परीक्षक आये उसे देने होंगे |

परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे . क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक नियत कार्य के अंक तय करेंगे.

ए ग्रेड २५ से ३० अंक : बी ग्रेड २० से २४ अंक : सी ग्रेड १५ से १९ अंक

Created by Universal Document Converter

संगीत विशारद (सातवाँ वर्ष) (भरतनाट्यम्)

कुल गुण - ७०० - समय: 1 साल (१५० से १८० घंटे का प्रशिक्षण)

क्रियात्मक - ५०० गुण , मंच प्रदर्शन १०० गुण

लिखित - ७० गुण - नियत कार्य (Assignment) - ३० गुण

लिखित परीक्षा समय - २ घंटे क्रियात्मक परीक्षा समय : १ घंटा

==========

क्रियात्मक :

संपूर्ण मार्गम् , राग – ताल की जानकारी |

पदम् – किसी भी भारतीय भाषा में प्रस्तुत करने की क्षमता |

अभिनय दर्पण :

देवता हस्त , बांधव हस्त , दशावतार हस्त , वर्ण हस्त श्लोक के साथ |

नटुअंगम :

सभी आडवु – तीन लय और पांच जाति में गिनना और नटुअंगम करने की कुशलता |

शास्त्र लेखित :

१ समाज में नृत्य का स्थान

२ प्रसिद्ध - प्राचीन ग्रंथ - रामायण और महाभारत में नृत्य का स्थान

३ नायिका भेद और नायिका के प्रकारों की विशेष जानकारी

४ भरत की विभिन्न नृत्यनायिका के प्रकार की विशेष जानकारी

५ कथ्थक , कथकली और मणीपुरी नृत्यशैली के दो - दो कलाकारों के बारे में जानकारी.

६ भरतनाट्यम् नृत्यशैली का भविष्य.

७ भरतनाट्यम् नृत्यशैली के परंपरागत गुरुओं की जानकारी.

(अ) कलागुरु श्री कुबेरनाथ तांजोरकर. (ब) मीनाक्षी सुंदरम् पील्लै .

८ दक्षिण भारत के सभी राज्यों के दो – दो लोकनृत्य .

९. भारतीय नृत्य का इतिहास .

सूचना :- प्रारंभिक से विशारद तक संपूर्ण अभ्यासक्रम में से प्रश्न पूछ सकते है . संगीत विशारद की क्रियात्मक परीक्षा में भरतनाट्यम् नृत्य की पारंपरिक वेशभूषा, घुंघरू , गीत एवं मृदंग की संगत अनिवार्य है .

Created by Universal Document Converter

नियत कार्य – (Assignment). ३० गुण

1. भारतीय लोकनृत्य की दो प्राचीन और दो अर्वाचीन पुस्तकों का विवरण कीजिए.
2. बेले नृत्य का श्रेय किस भारतीय कलाकार को जाता है ? नृत्य नाटिका के प्रकार और कलाकारों के बारे में बताएं.
3. सीखे हुए आलारिपू को लिपिबध्ध करें और वर्णम् का त्रिकाल तिरमाणम् और जतिश्वरम् का तिरमाणम् लिपिबद्ध कीजिए.
4. नायिकाभेद के बारे मे बताएं और अष्टनायिका के बारे मे विस्तृत वर्णन कीजिए.
5. रामायण , महाभारत में नृत्य का स्थान .
6. दक्षिण भरत के लोकनृत्यों का विस्तृत वर्णन कीजिए.
7. कर्णाटक संगीत में ताल ,जाति ,मात्राएं विस्तृत रूप से बताएं एवं उसकी टिप्पणी कीजिए.
8. नृत्य के बारे में आपके मंतव्य एवम् आपने जो नृत्य शैली पसंद की है वो क्यों की है, उसके बारे में आपके विचार दर्शाएं.

नोंध :

ऊपर दिए गए विषयों में से किन्ही तीन विषयों पर गुरु के द्वारा शिष्यों को पेपर लिखने दिए जायेंगे और गुरूजी को उसे जाँच कर के ग्रेड देना है | वो जाँच किये हुए नियत कार्य क्रियात्मक परीक्षा लेने जो परीक्षक आये उसे देने होंगे |

परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे .
क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक नियत कार्य के अंक तय करेंगे.

ए ग्रेड २५ से ३० अंक : बी ग्रेड २० से २४ अंक : सी ग्रेड १५ से १९ अंक

Created by Universal Document Converter